IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता

षषि चौधरी

सारांष

प्रस्तुत शोध अध्ययन में षिक्षकोंकी शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में आषावादिता का अध्ययन किया गया है।अध्ययन का उद्देश्य विद्यालय प्रकृति के सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता का अध्ययन करना है।अध्ययन में सर्वेक्षण विधि को शोध विधि के रूप में प्रयुक्त किया गया है, प्रदत्तों के स्रोत प्राथमिक हैं तथाकुल 800 शिक्षकों ;प्रथम वर्ग (5 वर्ष से कम शिक्षण अनुभव) ,द्वितीय वर्ग (5—15 वर्ष का शिक्षण अनुभव), तृतीय वर्ग (16 से 25 वर्ष का शिक्षण अनुभव) एवं चतुर्थ वर्ग 25 वर्ष से अधिक शिक्षण अनुभव वाले शिक्षकों को यादृच्छिक विधि के माध्यम से न्यादर्ष हेतु चयन किया गया है। प्रदत्तों का विष्लेषण मध्यमान, मानक विचलन एवं टी—परीक्षण सांख्यिकी द्वारा किया गया है।

मूल षब्द —उच्च प्राथमिक षिक्षक,शिक्षण अनुभव एवंआषावादिता।

प्रस्तावना :

शिक्षा एक अन्तर्विषयक प्रकृति का विषय क्षेत्र है। शिक्षा की प्रक्रिया को अनेक कारक प्रभावित करते हैं। जैसे – मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व आर्थिक स्थितियां मनोवैज्ञानिक कारकों में व्यक्ति की योग्यताओं, अभिरूचि, अभिवृत्ति, संवेगात्मक बुद्धि एवं मूल्य के अतिरिक्त आशावादिता भी प्रभावित करती है। आशावादिता एक अधिगमित एवं अर्जित विशेषता है। विद्यार्थियों में इस गुण के विकास में शिक्षक की भूमिका अहम् होती है। एक आशावादी शिक्षक अपने सम्पर्कीय वातावरण को सकारात्मक रूप से देखता है। वह न केवल इस गुण के साथ शिक्षण प्रक्रिया को संचालित करता है बल्कि विद्यार्थियों में आशाओं का निर्माण व संचार भी करता है। शिक्षण प्रक्रिया में आशावादिता के अर्थ को जानना आवश्यक हो जाता है।

आशावादिता के सामान्य समानार्थी शब्द उमंग, आश्वासन, विश्वास, सकारात्मक सोच, आशा एवं उम्मीद हैं। आशावादिता का शाब्दिक अर्थ हैं ''ठमेज व िंसस चवेपइसम ूवतसक'' दुनिया में सबसे मुमकिन'' अर्थात् प्रत्येक परिस्थिति में सकारात्मक या आशा की सम्भावना।

मनोवैज्ञानिक अर्थ में आशावादिता को कह सकते हैं कि आशावादित एक ऐसा गुण है जो प्राप्त करने वाले लक्ष्यों में एवं क्रियाओं के बीच घनिष्ठ संबंध के रूप में पायी जाती है। दूसरों शब्दों में कह सकते हैं कि आशावादिता एक अनुकूल परिणाम प्राप्त करने या आशा के पक्ष को देखने की प्रवृत्ति है।

आशावादिता को सर्वप्रथम मनोवैज्ञानिक मार्टिन सैलिगमैन ने परिभाषित किया तथा उनकी पुस्तक ''अधिगमित आशावाद'' सन् 1990 में प्रकाशित हुई।

आशावादिता एक ऐसी अभिवृत्ति है जो व्यक्ति को इस बात पर केन्द्रित रखती है कि वर्तमान तथा भविष्य की परिस्थितियों के लिए क्या अच्छा है तथा क्या बुरा। आशावादिता एक चेतना है तथा इसे सकारात्मक मनोविज्ञान भी कहा जाता है। आशावादिता किसी भी नकारात्मक परिस्थिति में डटे रहने की शक्ति प्रदान करती है। आशावादिता तनाव या अवसाद से पीडित होने से बचाती है। सैलिगमैन ने निराशावादियों को विपरित परिस्थितियों में एक नये तरीके या आशावादी सोच का उपयोग करके सामना करने की सलाह दी है। और संक्षेप में आशावादी व्यक्ति के दृष्टिकोण को बताते हुये कहा है कि ''क्या हुआ एक विपरित स्थिति के आने पर, यह तो वास्तव में कोई व्यापक लक्ष्यों में से एक अस्थायी झटका है'' ।आशावादी व्यक्ति बुरी घटनाओं या अनुचित परिस्थितियों को अस्थायी या छोटी अवधि के लिये लेते है और जल्द ही विफलता या अनुचित परिस्थितियों से बाहर निकलकर अपनी सफलता के लिए आशा करने लगते हैं। आशावादी व्यक्ति किसी भी असफलता को जीवन की असफलता नहीं मानते हैं। इन्हीं विशेषताओं के आधार पर कहा जा सकता है कि आशावादिता किसी भी परिस्थिति में सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ ध्यान केन्द्रित करना है। दूसरे शब्दों में जब परिस्थितियाँ नकारात्मक हो तो आशावादिता उमंग की क्षमता है।

समस्या कथन

- शिक्षण अनुभवके सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता ।

अध्ययन के उद्देश्य

- उच्च प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता के भिन्न स्तर का अध्ययन करना।
- शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता का अध्ययन करना

परिकल्पना–

- **उच्च प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता भिन्नतापूर्ण होती है।**
- **शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।**

अध्ययन के चर

स्वतन्त्र चर : शिक्षण अनुभव

आश्रित चर : शिक्षकों की आषावादिता

संक्रियात्मक परिभाषायें

प्राथमिक स्तर :–

उच्च प्राथमिक स्तर से अभिप्राय कक्षा 6, 7, 8 स्तर से है।

उच्चप्राथमिक शिक्षक :–

प्रस्तुत शोध में प्राथमिक शिक्षक से अभिप्रायनियमित विद्यालयों में कक्षा 6, 7, 8 में शिक्षण करने वाले शिक्षकों से है।

आशावादिता :–

आशावादिता से तात्पर्य किसी भी क्षेत्र में प्राप्त सफलता से अभिप्रेरित होकर दूसरे किसी भी कार्य या चुनौती को स्वीकार करने से है।

अनुसंधान विधि

प्रस्तुत शोध की समस्या की प्रकृति को ध्यान में रखकर सर्वेक्षण विधि को शोध विधि के रूप में प्रयुक्त किया गया है।

प्रदत्तों के स्रोत

प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्तों के स्रोत प्राथमिक हैं। उच्च प्राथमिक स्तर पर शिक्षण करने वाले शिक्षक प्रदत्तों के स्रोत हैं।

जनसंख्या

प्रस्तुत शोध हेतु जनसंख्या के रूप में उत्तरप्रदेश के आगरा मंडल के मथुरा तथा आगरा, जिले के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक हैं।

न्यायदर्श

प्रस्तुत शोध अध्ययन में मथुरा और आगरा जिले के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत कुल 800 शिक्षकों को यादृच्छिक विधि के माध्यम से न्यादर्ष हेतु चयन किया गया है।

शोध उपकरण

प्रदत्त संकलन हेतु आशावादिता मापनी (स्व–निर्मित) शोध उपकरण प्रयुक्त किया गया है।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी

अध्ययन के उद्देश्यों एवं प्रदत्तों की प्रकृति के आधार पर प्रदत्तों का विष्लेषण मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–परीक्षण सांख्यिकी द्वारा किया गया है।

➢ उच्च प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता स्तर का प्रस्तुतीकरण एवं विश्लेषण (प्रतिशतता के रूप में)

शिक्षकों की आषावादिता के स्तर को शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में तालिका 1 में प्रतिशतता के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 1– उच्च प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता के स्तर : शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में

आषावाताि के स्तर	शिक्षक संख्या एवं प्रतिशत							
	शिक्षण अनुभव							
	5 वर्ष से कम		5–15 वर्ष		16–25 वर्ष		25 वर्ष से अधिक	
	छ	:	छ	:	छ	:	छ	:
उच्च	60	24	132	30	24	24	5	36
सामान्य	110	44	208	48	55	54	6	43
निम्न	82	32	93	22	22	22	3	21

रेखाचित्र 1– उच्च प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता के स्तरःशिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में

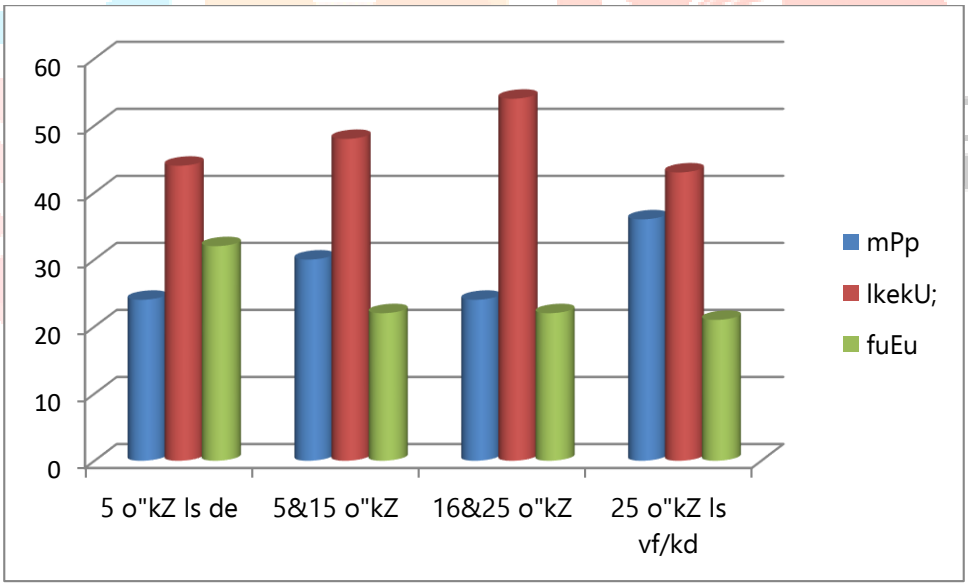

* शिक्षणअनुभवकेसन्दर्भमेंआषावादिताकेविभिन्नस्तरोंपरशिक्षकोंकीप्रतिशतता –

तालिका 1 व रेखाचित्र 2 से ज्ञात होता है कि आषावादिता के उच्च, सामान्य व निम्न स्तर पर शिक्षण अनुभव के प्रथम वर्ग (5 वर्ष से कम शिक्षण अनुभव) में क्रमशः 24:, 44: व 32: शिक्षक पाये गये हैं। आषावादिता के उच्च, सामान्य व निम्न स्तर पर शिक्षण अनुभव के द्वितीय वर्ग (5–15 वर्ष का शिक्षण अनुभव) में क्रमशः 30:, 48: व 22: शिक्षक पाये गये हैं। आषावादिता के उच्च, सामान्य व निम्न स्तर पर शिक्षण अनुभव के तृतीय वर्ग (16 से 25

वर्ष का शिक्षण अनुभव) में क्रमशः 24:, 54: व 22: शिक्षक पाये गये हैं। आषावादिता के उच्च, सामान्य व निम्न स्तर पर शिक्षण अनुभव के चतुर्थ वर्ग (25 वर्ष से अधिक शिक्षण अनुभव) में क्रमशः 36:, 43: व 21: शिक्षक पाये गये हैं।

इस प्रकार दृष्टव्य है कि आषावादिता के सामान्य स्तर पर शिक्षण अनुभव की प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों की प्रतिशतता क्रमशः 44:, 48:, 54: व 43: है जो सर्वाधिक है। आषावादिता के उच्च स्तर पर शिक्षण अनुभव के सभी वर्गों के शिक्षकों की प्रतिशतता सामान्य स्तर से कम किन्तु निम्न स्तर से अधिक पायी गयी है। आषावादिता के निम्न स्तर पर शिक्षण अनुभव के चारों वर्गो के शिक्षकों की प्रतिशतता में अधिक अन्तर नहीं पाया गया है तथा तीनों स्तरों में सबसे कम शिक्षक प्रतिशतता निम्न स्तर पर ही पायी गयी है।

अतः प्रस्तुत **परिकल्पना 1** ''उच्च प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता भिन्नतापूर्ण होती है'' स्वीकृत होती है। इस प्रकार शिक्षकों में आषावादिता का स्तर भिन्न–भिन्न पाया गया है।

➢ उच्च प्राथमिक स्तर पर कार्यरत 5 वर्ष से कम, 5 से 15 वर्ष, 16–25 वर्ष एवं 25 वर्ष से अधिक शिक्षण अनुभव वाले शिक्षकों की आषावादिता सम्बन्धी प्रदत्तों के विश्लेषण को तालिका 2 व रेखाचित्र 2 द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

तालिका2–षिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता के अन्तर की सार्थकता हेतु मध्यमान व मानक विचलन

शिक्षण अनुभव	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन
5 वर्ष से कम	252	32ण्75	6ण्07
5–15 वर्ष	433	33ण्90	5ण्68
16–25 वर्ष	101	32ण्00	5ण्19
25 वर्ष से अधिक	14	33ण्29	5ण्75

रेखाचित्र 2–उच्च प्राथमिक शिक्षकों का षिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में आषावादिता

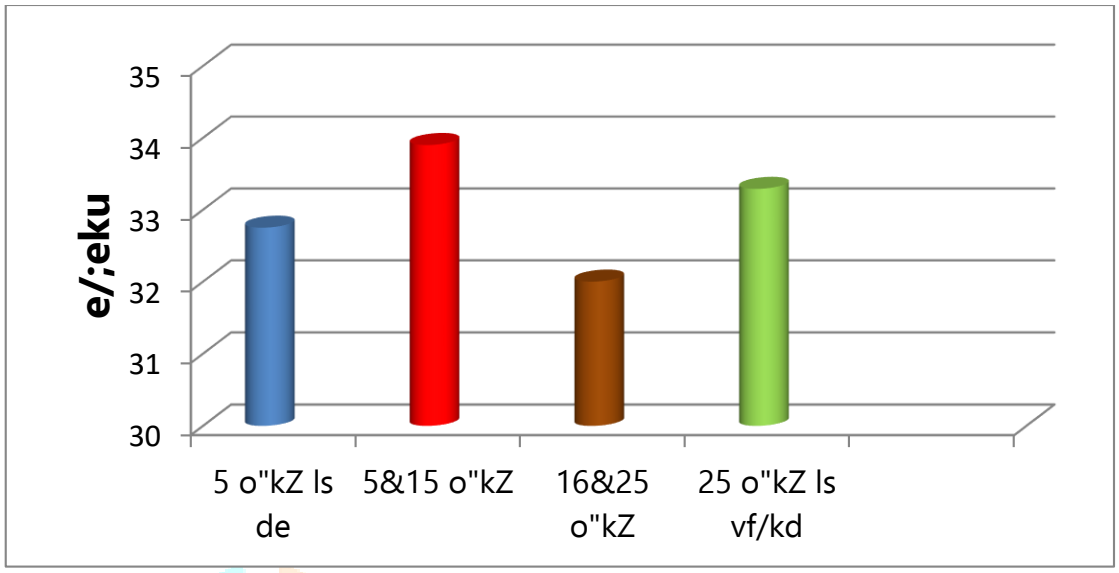

तालिका 2 एवं रेखाचित्र 2 से विदित होता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों में प्रथम वर्ग(5 वर्ष से कम शिक्षण अनुभव) के शिक्षकों की आषावादिता का माध्य 32.75 एवं मानक विचलन 6.07, द्वितीय वर्ग (5–15 वर्ष का शिक्षण अनुभव) के शिक्षकों की आषावादिता का माध्य 33.90 एवं मानक विचलन 5.68, तृतीय वर्ग (16–25 वर्ष का शिक्षण अनुभव) के शिक्षकों की आषावादिता का माध्य 32.00 एवं मानक विचलन 5.19 तथा चतुर्थ वर्ग (25 वर्ष से अधिक शिक्षण अनुभव) के शिक्षकों की आषावादिता का माध्य 33.29 एवं मानक विचलन 5.75 प्राप्त हुआ है। सर्वाधिक विचलन प्रथम वर्ग के शिक्षण अनुभव के शिक्षकों की आषावादिता का पाया गया है तथा सबसे कम विचलन 5.19 तृतीय वर्ग के शिक्षकों की आषावादिता का पाया गया है। शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों की आषावादिता के अन्तर की सार्थकता जाँच करने हेतु एक–दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।) को ज्ञात किया गया है।

तालिका 3–शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता के अन्तर का एक–दिश प्रसरण विश्लेषण

ैवनतबम वि टंतपंदबम	ैनउ वि ेुनंतमे ;ैैद्ध	कि	थ् .तंजपव	ज्ंइसम टंसनम	ैपहदपपिबंदबम क्पमितमदबम
।उवदह ळतवनच टंतपंदबम	217ण06	3	2ण19	0ण05 2ण61	सार्थक अन्तर नहीं है।
ॅपजीपद ळतवनच टंतपंदबम	26289ण03	796			

तालिका 3 से ज्ञात होता है कि उच्च प्राथमिक शिक्षकों का शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों की आषावादिता का एफ–मूल्य 2.19 प्राप्त हुआ है। एफ का सारणी मूल्य 0.05 स्तर पर 2.61 है। प्राप्त एफ–मूल्य सारणी मूल्य से कम है। अतः कहा जा सकता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों की आषावादिता समान होती है।

प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर **परिकल्पना 2** ''शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है'' स्वीकृत होती है। उच्च प्राथमिक स्तर पर शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों की आषावादिता समान पायी गयी है।

समेकन–

उच्च प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता स्तर में भिन्नता पायी गयी है। सर्वाधिक शिक्षक आषावादिता के सामान्य स्तर (43ः से 54ः) पर पाये गये हैं। आषावादिता के निम्न स्तर पर शिक्षकों का प्रतिषत सबसे कम है, ।

शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया । चारों वर्गों के शिक्षण अनुभव वाले शिक्षकों की आषावादिता समान पायी गयी।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1- अख्तर सलीम, घयास सबा एवं अदिल अदनान (2013). एकिकेसी एण्ड ऑप्टिमिज्म एज प्रिडिक्टर्स ऑफ ऑर्गेनाइजेशनल कमिटमेन्ट अमंग बैंक एमप्लोईज. *इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च स्टडीज इन साइकोलॉजी,* 2(2),2243–7681

2- अवे एवं एट अल (2009). साइकोलॉजिकल कैपिटल : एक पॉजिटिव रिसॉर्स फॉर कॉम्बेटिंग एम्पलॉयी स्ट्रेस एण्ड टर्नऑवर. *जर्नल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डवलपमेन्ट,* 48 (5), 677–693

3- अई, एमि एल. केम्पबैल टेरेसा इवान्स एवं सेन्टएन्जेलो लिन्डा के. एवं एट अल (2006). द ट्रोमेटिक इम्पेक्ट ऑफ द सेप्टेम्बर 11–2001, टेरिरिस्ट अटैक्स एण्ड द पोटेन्शिअल प्रोटेक्शन ऑप्टिमिज्म. *जर्नल ऑफ इण्टरपर्सनल वायोलेन्स,* 21(5), 689–700

4- अनवर मोम्ना एवं अनिस–उल–हक एम. (2014). टीचर अकेडमिक ऑप्टिमिज्म : ए प्रिलिमनरी स्टडी मेजरिंग द लेटेन्ट कन्सट्रक्ट, एफ डब्ल्यू यू. *जर्नल ऑफ सोशिअल साइन्सेज,* 8(1), 10–16

5- बेकेट डेविड (2010). ऑप्टिमिज्म, एण्ड इमोषनल इन्टेलिजेन्स एज पोटेन्षिअल मॉडरेटर्स ऑफ वर्कप्लेस स्ट्रेस. षोध प्रबन्ध द यूनिवर्सिटि ऑफ विन्चेस्टर, इंग्लैण्ड।

6- भटनागर, ए. बी. (2003). शैक्षिक अनुसंधान की कार्यप्रणाली. आर. लाल बुक डिपो, मेरठ।

7- चांग हुआ (2011). ए स्टडी ऑफ द रिलेशनशिप बिटविन डिस्ट्रीब्यूटेड लीडरशिप, टीचर अकेडमिक ऑप्टिमिज्म एण्ड स्टूडेन्ट अचिवमेन्ट इन ताईवानीज एलीमेन्टरी स्कूल. *लीडरशिप एण्ड मैनेजमेन्ट जर्नल,* 31(5), 491–515।

8- इओन, मिहैल (2013). वेज ऑफ ऑप्टिमाइजिंग लेसन ऑफ फिजिकल एजूकेशन एण्ड स्पोर्ट इन सैकेण्डरी साइकल. *जर्नल ऑफ प्रोसिडिया–सोशियल एण्ड बिहेवियरल साइन्सेज,* 76, 491–496

9- इरिगिट अरजू (2010). ए क्रॉस–एज स्टडी ऑन एलिमेन्टरी स्टूडेन्ट्स वैल्यू ऑरिएन्टेषन्स, इनवायरोमेन्टल ऑप्टिमिज्म लेवल्स एण्ड इनवायरोमेन्टल कन्सर्न. षोध प्रबन्ध द ग्रेजूऐट स्कूल ऑफ सोषिअल साइन्सेज,मिडिल इस्ट टेकनिकल यूनिवर्सिटि,तुर्की।

10- फही पेट्रिक, वू हसिन चिअ्ह, हॉय बेचने के. (2010). इन्डिविडूअल अकेडमिक ऑप्टिमिज्म ऑफ टीचर्स. एनुअल मिटिंग ऑफ द यूनिवर्सिटी काउन्सिल फॉर एडूकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन इन केलीफॉर्निआ, नवम्बर–2009, पृष्ठ 209–227

11- गुप्ता, एस. पी. (2006). सांख्यिकीय विधियाँ. शारदा पुस्तक भवन, पब्लिसर्श एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, यूनिवर्सिटी रोड़, इलाहाबाद।

12- होय वेयने के., टार्टर सी जॉन, होय अनीता वूलफॉल्क (2006). अकेडमिक ऑप्टिमिज्म ऑफ स्कूल्स : एक फोर्स फॉर स्टूडेन्ट अचिवमेन्ट. *अमेरिकन एजूकेशनल रिसर्च जर्नल,* 43(3), 425–446

13- कपिल, एच. के. (1996). अनुसंधान विधियाँ. हर प्रसाद भार्गव प्रकाशन, कचहरी घाट, आगरा।

14- कुर्ज, नन एम. (2006). द रिलेशनशिप बिटविन टीचर्स सेन्स ऑफ अकेडमिक ऑप्टिमिज्म एण्ड कमिटमैन्ट टू द प्रोकेशन. लघु शोध अध्ययन, कॉलेज ऑफ ऐजुकेशन ओहिओ विश्वविद्यालय, यू.एस.ए.

15- कस्सिडी, टोनी (2010). सोशिअल बैकग्राउण्ड, अचिवमेन्ट मोटिवेशन, ऑप्टिमिज्म एण्ड हेल्थ : ए लोंगीट्यूडनल स्टडी. *काउन्सलिंग साइकोलॉजी क्वाटरली जर्नल,* वॉल्यूम–13, नं.–4, पृष्ठ 399–412

16- केप्का, सब्रिना, बोमन्न सेड्रिक एवं अनोटा एमिलि एट ऑल (2013). द रिलेशनशिप बिटविन ट्रेट्स ऑप्टिमिज्म, एनजाइटी एण्ड हेल्थ रिलेटेड क्वालिटी ऑफ लाइफ इन पैशैन्ट्स हॉस्पिटलाईज्ड फॉर क्रोनिक डिसिजस. *जर्नल ऑफ हेल्थ एण्ड क्वालिटि ऑफ लाइफ आउटकम्स,* वॉल्यूम–11 (1),165–183